प्रकाशनार्थ

30 सितम्बर, 2022 गोरखपुर।

यांत्रिक कारखाना गोरखपुर के चिकित्सा विभाग तथा ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर के तत्वावधान में और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर के उच्च कृत ब्लड बैंक के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे ,गोरखपुर के परिसर में किया गया।

इस अवसर पर ललित नारायण मिश्रा रेलवे चिकित्सालय के निदेशक डॉ बी एन चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद चिकित्सालय के निदेशक डॉ बी एन चौधरी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान जीवन के लिए महादान है और इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार अवश्य करना चाहिए सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यांत्रिक कारखाना आए दिन रक्तदान शिविर का आयोजन कर समाज में रक्तदान करने के लिए प्रेरणा स्वरुप बनकर उभरा है । यह क्रम जारी रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय , गोरखपुर के सहयोग की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि ऐसे रक्तदान शिविर का आयोजन करने के लिए आप सभी को धन्यवाद और शुभकामनाएं दी और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल तथा तकनीशियन गिरीश पाठक, नेहा, संदीप तथा सरोज को रक्तदान शिविर का सुचारू रूप से सफल कराने के लिए धन्यवाद दिया।

वहीं गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान के प्रति संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा समाज में एक नई सोच को जन्म दे रही है। आज रक्त देने वालों की संख्या में वृद्धि का कारण है कि सकारात्मक सोच और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की चाहत में रक्तदाताओं की संख्या बढ़ रही है । पहले समाज में ब्लड देने के नाम पर कुरूति और भ्रांतियां बलवती थी, अपने रिश्तेदारों को भी ब्लड देने के नाम पर लोग भाग जाते थे, जबकि आज रक्तदान जोश और उमंग के साथ किया जा रहा है ।

इसलिए सभी रक्तदाताओं को रक्तवीर कहा जाता है। आज के रक्तवीर जिन्होंने अन्य को भी रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं उन्हें धन्यवाद।

आज के रक्तदान शिविर में श्री महेश विश्वकर्मा, प्रशांत चौधरी, प्रशांत दुबे, आशुतोष कुमार सिंह, पंकज सिंह, सूरज कुमार वर्मा, मनोज कुमार शर्मा, शत्रुघन यादव, संदीप , सुरेंद्र कुमार सैनी, अंकित सत्संगी ,नीतीश कुमार तथा निरंजन कुमार कई रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा भी रक्तदान किया गया कुल लगभग 60 महान रक्तवीरों ने रक्तदान किया।

सभी रक्तवीरों को उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।